



मेघगर्जन/वज्रपात/भारी वर्षा के प्रभाव आधारित पूर्वानुमान एवं चेतावनी

चेतावनी संख्या :- 2025-07/16

जारी दिनांक : 18 जुलाई, 2025 (1330 भा.मा.स.)

वर्षा का पूर्वानुमान		
दिनांक	पश्चिमी उत्तर प्रदेश	पूर्वी उत्तर प्रदेश
18-07-2025	कुछ स्थानों पर वर्षा/गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की सम्भावना है।	कहीं-कहीं वर्षा/गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की सम्भावना है।
19-07-2025	कहीं-कहीं वर्षा/गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की सम्भावना है।	कहीं-कहीं वर्षा/गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की सम्भावना है।

मौसम सम्बन्धी चेतावनी		
दिनांक	पश्चिमी उत्तर प्रदेश	पूर्वी उत्तर प्रदेश
18-07-2025	(i) कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ वज्रपात एवं तेज झोंकेदार हवा (30-40KMPH झोंके के साथ 50KMPH)की सम्भावना है। (ii) संभाग के दक्षिण भाग में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा की सम्भावना है।	कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ वज्रपात की सम्भावना है।
19-07-2025	कोई चेतावनी नहीं है।	कोई चेतावनी नहीं है।

नोट - * मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनी की वैधता उस दिन के 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) से लेकर अगले दिन के सुबह 0830 बजे तक है।

बुलेटिन में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों हेतु निर्देशिका

वर्षा का स्थानीय विवरण		संभावित पूर्वानुमान		रंग आधारित चेतावनी सलाह	
% स्टेशन	विवरण	शब्द	होने की संभावना	रंग	चेतावनी सलाह
76-100	लगभग सभी स्थानों पर	सम्भावना कम है	<25%	हरा (कोई चेतावनी नहीं)	कोई कार्यवाही नहीं
51-75	अनेक स्थानों पर	सम्भावना है	25%-50%	पीला	सचेत रहें
26-50	कुछ स्थानों पर	बहुत सम्भावना है	51%-75%	नारंगी	तैयार रहें
<25	कहीं-कहीं (एक या दो स्थानों पर)	अत्यधिक सम्भावना है	>75%	लाल	कार्यवाही करें
0 %	मौसम मौसम शुष्क रहेगा शुष्क रहेगा				

वर्षा की तीव्रता (Rainfall Intensity)		आसमान की स्थिति (Sky Condition)		कोहरे की तीव्रता (Fog Intensity)	
शब्दावली	वर्षमान (मिमी. में)	शब्दावली	बादल की मात्रा (ऑक्टा में)	शब्दावली	दृश्यता (मीटर में)
बहुत हल्की वर्षा	Trace – 2.4	आसमान साफ़	0	धुंध	> 1000 (सापेक्षिक आर्द्रता <75%)
हल्की वर्षा	2.5 – 15.5	आसमान मुख्यतया साफ़	1-2	कुहासा	> 1000 (सापेक्षिक आर्द्रता >75%)
मध्यम वर्षा	15.6 – 64.4	आसमान में आंशिक बादल	3-4	छिछला कोहरा	<1000
भारी वर्षा	64.5 – 115.5	आसमान में आमतौर पर बादल	6-7	मध्यम कोहरा	<500
बहुत भारी वर्षा	115.6 – 204.4	बादलों से पूरा घिरा आसमान	8	घना कोहरा	<200
अत्यधिक भारी वर्षा	>204.5	अस्पष्ट/धुंधला आसमान	-	अत्यधिक घना कोहरा	<50

प्रमुख,
मौसम केन्द्र, लखनऊ



दिन-1/ Day-1 (0830 IST of 18-07-2025 to 0830 IST of 19-07-2025)

भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना

झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में।

तेज झोंकेदार हवाएँ (30-40KMPH झोंके के साथ 50KMPH)

आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में।

भारी वर्षा होने की संभावना

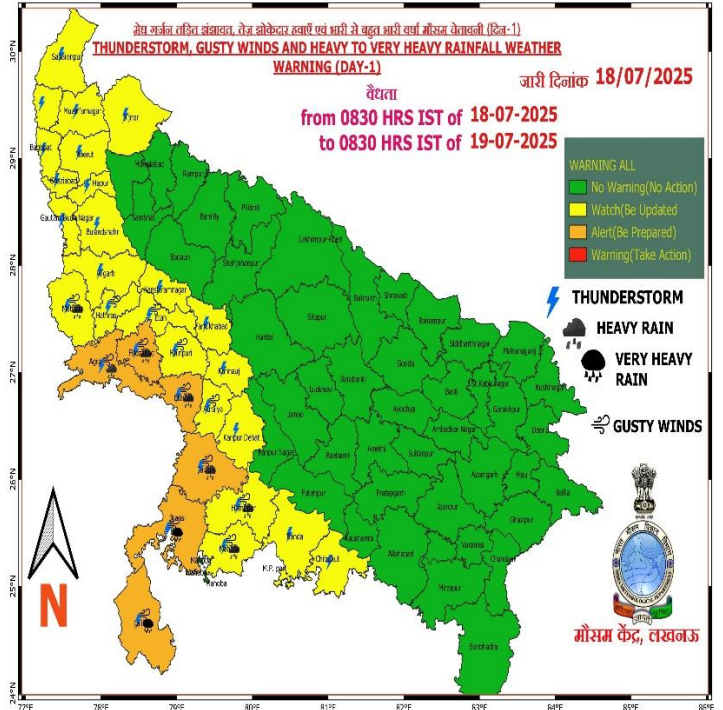
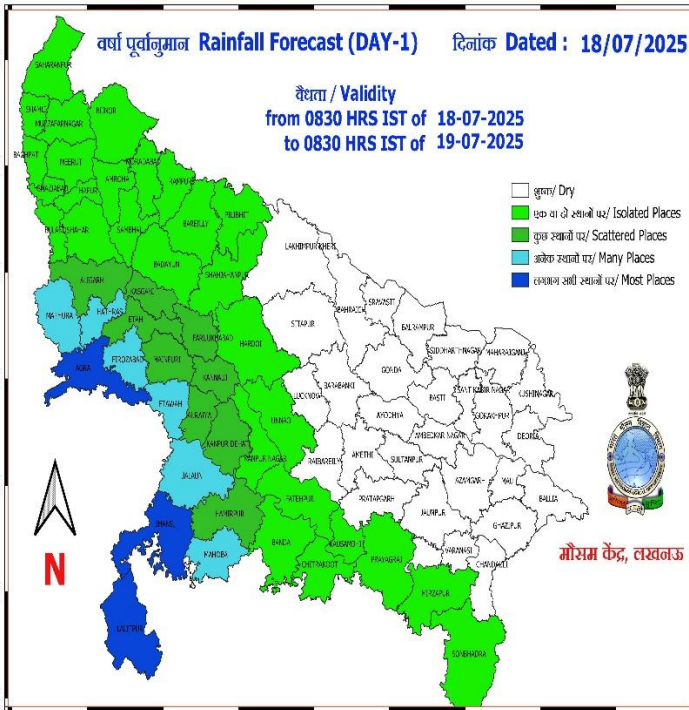
मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, हमीरपुर, महोबा एवं आसपास के इलाकों में।

मेघगर्जन/वज्रपात होने की संभावना

बांदा, चित्रकूट, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुर, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में।

तेज झोंकेदार हवाएँ (30-40KMPH)

मथुरा, हाथरस, एटा, मैनपुरी, औरैया, हमीरपुर, महोबा एवं आसपास के इलाकों में।



मेघगर्जन/वज्रपात/झोंकेदार हवाएँ

प्रभाव	सुझाव
दृश्यता में कमी	घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और अगर संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
विद्युत व्यवस्था में व्यवधान	बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
यातायात प्रवाह में व्यवधान	वाहन चलते समय सावधानी रखें।
प्रॉपर्टी को नुकसान: इमारतों, कमजोर संरचनाओं, कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को नुकसान हो सकता है। खिड़कियाँ टूट सकती हैं और छतें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। हल्की वस्तुएं उड़ सकती हैं।	सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे आश्रय न लें। कंक्रीट के फर्श पर न लें और कंक्रीट की दीवारों से न टिकें।
फसलों को नुकसान: तेज झोंकेदार हवाओं/वज्रपात से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।	जलस्रोतों से तुरंत बाहर निकलें।
विमान को नुकसान: मेघगर्जन एवं आकाशीय बिजली से विमान को गंभीर नुकसान हो सकता है।	बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।
पशुधन, वन्य जीवन और जनजीवन को क्षति: खुले स्थानों पर लोगों, मवेशियों और वन्यजीवों को गंभीर चोट लग सकती है, घायल भी हो सकते हैं या उनकी मृत्यु भी हो सकती है।	घर में रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो, तो यात्रा से बचें।



मेघगर्जन/वज्रपात/भारी वर्षा के प्रभाव एवं सुझाव

बहुत भारी बारिश के संभावित दुष्प्रभाव	दुष्प्रभाव से बचने के उपाय
- निचले इलाकों और सुरंगों में बाढ़ आना। - खानों एवं खदानों में पानी भरना। - नदियों, झरनों एवं जलाशयों के जलस्तर में आकस्मिक वृद्धि। - कच्चे, असुरक्षित तथा अस्थायी ढांचों को मध्यम क्षति। - नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान। - भारी बारिश के दौरान जलमग्न तथा फिसलन भरी सड़क और खराब दृश्यता के कारण सड़क/रेल/जल परिवहन में मामूली/मध्यम व्यवधान हो सकता है। - बहुत पुरानी इमारतों और असुरक्षित संरचनाओं आदि के लिए खतरे की संभावना। - जल अतिप्रवाह के कारण नालों और मौसमी वर्षा आधारित जलधाराओं पर निचले पुलों और सड़कों का आंशिक/अस्थायी रूप से बंद होना। - वृक्षारोपण/बागवानी फसलों को मध्यम क्षति एवं कृषि को मामूली क्षति। - जीवन, पशुधन और संपत्ति को नुकसान के कुछ मामले।	- निचले एवं बाढ़ग्रस्त इलाकों से दूर रहें। - आकस्मिक बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों से दूर रहें और पेड़ों का आश्रय लेने से बचें। सुरक्षित/पक्के घरों के अंदर सुरक्षित आश्रय लें। - खतरे के निशान के आस-पास बह रही नदियों के आप्लावन मैदानों से दूर रहें। - अस्थायी और असुरक्षित संरचनाओं को ठीक से सुरक्षित किया जाना चाहिए या खाली कर दिया जाना चाहिए। - बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था बनाएं। - यातायात में अपेक्षित देरी के कारण पूर्व योजना बनाएं। - नालों और मौसमी जलधाराओं से दूर रहें। - भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी सड़कों एवं खराब दृश्यता की स्थिति में वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। - अतिप्रवाहित पुलों और जलमग्न सड़कों एवं सुरंगों से बचें (या पार करते समय अत्यधिक सावधानी बरतें)। - जल परिवहन एवं खनन गतिविधियों का विवेकपूर्ण विनियमन। - झरनों एवं जलाशयों के पास जाने से बचें।
भारी वर्षा के संभावित दुष्प्रभाव	दुष्प्रभाव से बचने के उपाय
- निचले इलाकों एवं सुरंगों में जलजमाव/अस्थायी बाढ़। - कच्चे, असुरक्षित एवं अस्थायी ढांचों को आंशिक क्षति। - विद्युत व्यवस्था में व्यवधान। - भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी कच्ची सड़क और खराब दृश्यता के कारण सड़क यातायात में मामूली व्यवधान। - मौसमी नालों/नदियों के जलस्तर में आकस्मिक वृद्धि। - वृक्षारोपण/बागवानी फसलों को को मामूली क्षति। - संपत्ति को नुकसान के कतिपय मामले।	- अचानक आने वाली बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों से दूर रहें। - पक्के अथवा सुरक्षित मकानों में आश्रय लें। - अस्थायी और असुरक्षित संरचनाओं को ठीक से सुरक्षित किया जाना चाहिए अथवा खाली कर दिया जाना चाहिए। - बिजली की वैकल्पिक योजना बनाई जा सकती है। - यातायात में अपेक्षित देरी से बचने हेतु पूर्व योजना बनाएं। - मौसमी नदी-नालों से दूर रहें। - खतरे के निशान के आस-पास बह रही नदियों से दूर रहें। - गड्ढों, पोखरों एवं तालाबों जिनमे बाहर से पानी आता हो में नहाने से बचें।

कृषि पर मौसम के प्रभाव आधारित पूर्वानुमान एवं सुझाव

भारी से बहुत भारी वर्षा			
फसल	अवस्था	फसल पर असर पड़ने की संभावना	सलाह
गन्ना	वानस्पतिक अवस्था	भारी बारिश के कारण जलभराव हो जाता है, जिससे फसलों का विकास रुक जाता है।	खड़ी फसलों से अत्यधिक वर्षा के पानी को बाहर निकाल दें। सिंचाई का कार्य स्थगित रखें।
खरीफ मक्का	पौधों का घुटने तक की ऊँचाई की अवस्था	भारी वर्षा और खेत में जलभराव होने के कारण खड़ी फसलें गिर जाती है। जिससे फसलें क्षतिग्रस्त हो जाती है।	खड़ी फसलों से अत्यधिक वर्षा के पानी को बाहर निकाल दें। जल निकासी का उचित प्रबन्ध करें और सिंचाई का कार्य स्थगित रखें। खेतों में उचित नमी बनायें रखें।
धान/चावल	रोपाई से कल्ले निकलने की अवस्था	भारी बारिश और खेत में जलभराव होने के खड़ी फसलों को काफी नुकसान हो सकता है।	खड़ी फसलों से अत्यधिक वर्षा के पानी को बाहर निकाल दें। भारी वर्षा के दौरान धान की नर्सरी की रोपाई से बचें।
अरहर	बुवाई से बीज का जमीन से ऊपर निकलने की अवस्था	भारी वर्षा और खेत में जलभराव होने के कारण खड़ी फसलें गिर जाती है। जिससे फसलें क्षतिग्रस्त हो जाती है।	खड़ी फसलों से अत्यधिक वर्षा के पानी को बाहर निकाल दें। जल निकासी का उचित प्रबन्ध करें और भारी वर्षा के दौरान बुवाई से बचें तथा सिंचाई कार्य स्थगित रखें।
मूँगफली			
तिल			
उर्द	बुवाई	जल जमाव के कारण खराब अंकुरण	खड़ी फसलों से अत्यधिक बारिश के पानी को बाहर निकालें। जल निकास की उचित व्यवस्था करें और भारी वर्षा के दौरान बुवाई से बचें।
मूँग			
सब्जी फसलें	बुवाई/पत्तियों का विकास वनस्पति/पुष्पन/फलन/कटाई/तुड़ाई	भारी बारिश और जल-भराव हो जाने के कारण फसल सड़/क्षतिग्रस्त जाती है, जिससे फसलों को काफी नुकसान हो जाता है।	भारी वर्षा के दौरान सिंचाई का कार्य स्थगित रखें। खड़ी फसलों से अत्यधिक वर्षा जल को बाहर निकाल दें।
आम/केला/पपीता	गड्ढों की खुदाई/भरना/रोपाई/वनस्पति/पुष्पन/फलन	भारी बारिश और जलभराव के कारण केले और पपीते के बागों में पौधे गिरकर क्षतिग्रस्त जाते हैं, जिससे उत्पादन पर काफी असर पड़ता है।	भारी वर्षा के दौरान सिंचाई का कार्य स्थगित रखें। केला एवं पपीता के बागों से अत्यधिक वर्षा जल को बाहर निकालने का उचित प्रबन्ध निकाल दें तथा केले एवं पपीते के पौधों में स्टैंडिंग का कार्य करें।





भारत सरकार/Govt. of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय/Ministry of Earth Sciences
भारत मौसम विज्ञान विभाग/India Meteorological Department
मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ/Meteorological Centre Lucknow



मौसमकेंद्र, लखनऊ - IMD Uttar-Pradesh@CentreLucknow

<https://x.com/CentreLucknow>



मौसमकेंद्रलखनऊ - IMD Uttar-Pradesh@mclucknow

<https://www.facebook.com/mclucknow>



मौसमकेंद्र, लखनऊ- IMD Uttar-Pradesh@imd-lucknow

<https://youtube.com/@imd-lucknow>



Please download the following apps for latest weather alerts



Mausam App

Get Latest Weather Updates

Android

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.imd.masuam&pcampaignid=web_share

Apple iOS

<https://apps.apple.com/us/app/mausam/id1522893967>



Android



Apple iOS



Meghdoot App

Get Latest Weather Updates for Agriculture

Android

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot&pcampaignid=web_share

Apple iOS

<https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155>



Android



Apple iOS



Damini App

Lightning Alerts, Live Lightning near you and in India

Android

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.lightening.live.damini&pcampaignid=web_share

Apple iOS

<https://apps.apple.com/app/id150385645>



Android



Apple iOS

